संकल्प एक प्रयास

सीख परियोजना

डिजिटल लर्निंग
ई - मर्ज

हमारे बारे में ....

सीख का परिचय

संकल्प एक प्रयास में, सीख परियोजना के अंतर्गत हम अपने शिक्षण संसाधन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के वंचित बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीख कार्यक्रम के लिए हमारा शैक्षिक दर्शन एक छात्र-केंद्रित शिक्षण वातावरण बनाना है जहाँ प्रत्येक बच्चे की अनूठी ताकत और ज़रूरतों को पहचाना और पोषित किया जाता है। हम समावेशिता को बढ़ावा देने, सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने और सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में विश्वास करते हैं

ई - मर्ज का परिचय

ई-मर्ज कार्यक्रम प्राथमिक स्तर के बच्चों को वीडियो और ऑडियो सामग्री के माध्यम से डिजिटल शिक्षा प्रदान करता है।
इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित छात्रों के सीखने के अनुभवों में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। उनके पाठ्यक्रम के अनुरूप एनिमेटेड वीडियो का लाभ उठाकर, इस पहल का उद्देश्य जटिल अवधारणाओं को सरल बनाना है, जिससे छात्रों के लिए सीखना अधिक सुलभ और आकर्षक बन सके।

ई - मर्ज कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

- बच्चों को उनके अलग-अलग लर्निंग स्टाइल जैसे दृश्य, श्रव्य एवं रोचक तरीके से सीखने में मदद करना।
- बच्चों की शिक्षा को अधिक प्रभावी और रोचक बनाना।
- बच्चों को उनके भविष्य के लिए तैयार करना।

ई - मर्ज कार्यक्रम के लाभ:

- बच्चों को उनके अलग-अलग लर्निंग स्टाइल के अनुसार सीखने में मदद मिलती है।
- बच्चों की शिक्षा को अधिक प्रभावी और रोचक बनाया जा सकता है।
- बच्चों को उनके भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है।

ई - मर्ज की जरूरत क्यों है:

- बच्चों को उनके अलग-अलग लर्निंग स्टाइल के अनुसार सीखने में मदद करने के लिए।
- बच्चों की शिक्षा को अधिक प्रभावी और रोचक बनाने के लिए।
- बच्चों को उनके भविष्य के लिए तैयार करने के लिए।

डिजिटल लर्निंग ई - मर्ज कक्षाएं

डिजिटल लर्निंग: भविष्य की शिक्षा का माध्यम

“शिक्षा में परिवर्तन, भविष्य में सुधार”

उद्देश्य

1. प्राथमिक विद्यालयों के सभी बच्चों को निरंतर शिक्षक सहायता प्रदान करना।
2. अधिक मनोरंजक और दिलचस्प तरीके से सीखने के अवसर पैदा करना।
3. बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को आनंददायक बनाना।
4. एनिमेटेड वीडियो के माध्यम से रोचक तरीके से पढ़ाना।
5. दीर्घकालिक अवधारणा और समझ में मदद करना।

प्रक्रिया

- सरकारी स्कूलों में अनुमति लेना।
- सरकारी स्कूलों में ई-मर्ज कक्षाएं संचालित करना।
- स्कूल में डिजिटल माध्यम LED/Projector उपलब्ध करवाना।
- समयावधि के अनुसार कक्षा संचालन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- कक्षा आधारित तैयार वीडियो मॉड्यूल सामग्री को पेनड्राइव के माध्यम से शिक्षकों तक पहुँचाना।
- कक्षा 1 से 5 तक के सभी बच्चों की प्री-टेस्ट आयोजित करना।
- एनिमेटेड वीडियो मॉड्यूल का उपयोग करके कक्षाएं संचालित करना।
- पोस्ट-टेस्ट के माध्यम से बच्चों के सीखने के परिणामों का आकलन करना।

शिक्षण सामग्री

1. संकल्प एक प्रयास द्वारा बनाए गए लेवलिंग डॉक्यूमेंट के आधार पर भाषा, गणित और अंग्रेजी के वीडियो मॉड्यूल तैयार किए गए हैं।
2. प्रत्येक विषय के लिए वीडियो मॉड्यूल सीखने के परिणामों के अनुसार क्रम में व्यवस्थित किए गए हैं।
3. वीडियो मॉड्यूल को पेनड्राइव के माध्यम से शिक्षकों तक पहुँचाया जाता है।

मूल्यांकन टूल्स

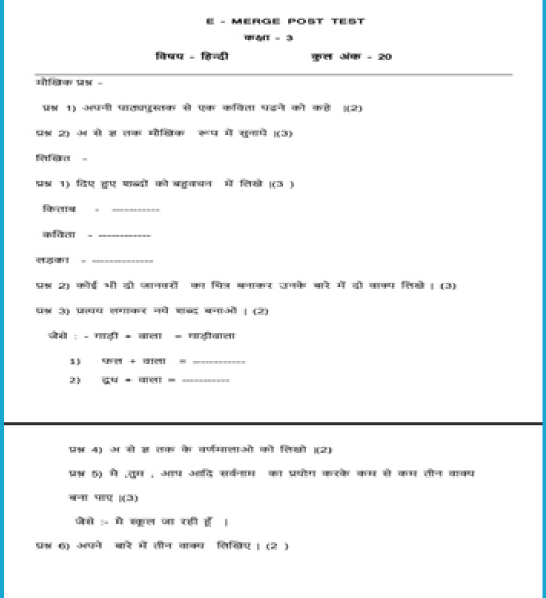

E - MERGE POST TEST

कक्षा - 3

विषय - हिन्दी   कुल अंक - 20

मौखिक प्रश्न -

प्रश्न 1) अपनी पाठ्यपुस्तक से एक कविता पढ़ने को कहे (2)

प्रश्न 2) अ से ज्ञ तक मौखिक रूप मे सुनाये (3)

लिखित -

प्रश्न 1) दिए हुए शब्दों को बहुवचन मे लिखे (3)

किताब - ----------

कविता - ----------

लड़का - ----------

प्रश्न 2) कोई भी दो जानवरों का चित्र बनाकर उनके बारे मे दो वाक्य लिखे। (3)

प्रश्न 3) प्रत्यय लगाकर नये शब्द बनाओ। (2)

जैसे : - गाड़ी + वाला = गाड़ीवाला

1) फल + वाला = ----------

2) दूध + वाला = ----------

प्रश्न 4) अ से ज्ञ तक के वर्णमालाओ को लिखो (2)

प्रश्न 5) मै, तुम, आप आदि सर्वनाम का प्रयोग करके कम से कम तीन वाक्य बना पाए (3)

जैसे :- मै स्कूल जा रही हूँ।

प्रश्न 6) अपने बारे मे तीन वाक्य लिखिए। (2)

एई मर्ज कक्षाओं के लिए प्रशिक्षण

1. इमर्ज कक्षाएं शुरू होने से पहले स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है।
2. प्रशिक्षण में उन्हें इमर्ज पाठ्यक्रम संचालित करने और डिजिटल सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।
3. प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ही स्वयंसेवकों को कक्षाएं संचालित करने का काम दिया जाता है।

बच्चों का मूल्यांकन

1. सत्र शुरू होने के समय पर फ्री टेस्ट लिया जाता है।
2. आखिर में पोस्ट टेस्ट लिया जाता है।
3. इन टेस्टों के माध्यम से बच्चों का मूल्यांकन किया जाता है।

प्रभाव

सुहानी की शिक्षा में सुधार

ई-मर्ज क्लासरूम
छात्रा विवरण

नाम - सुहानी यादव
कक्षा - 3

केस स्टडी

सीखने में कठिनाई- वह नियमित रूप से एसईपी लर्निंग रिसोर्स सेंटर जाती थी, लेकिन पढ़ाई करने के बाद भी वह सीखी हुई चीजें याद नहीं रख पाती थी। इससे उसकी समझ और शैक्षणिक प्रदर्शन पर असर पड़ रहा था।

समाधान: ई-मर्ज कक्षा का उपयोग करना सुहानी की सीखने की समस्या को देखते हुए, उसे ई-मर्ज कक्षा में शामिल किया गया। यह एक विशेष शिक्षण प्रणाली है, जो चित्रों, ऑडियो-वीडियो और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से अवधारणाओं को स्पष्ट करती है।

बदलाव और सुधार - ई-मर्ज क्लास में शामिल होने के बाद सुहानी की शिक्षा में काफी सुधार हुआ: बेहतर समझ: अब वह चीजों को सिर्फ़ रटने के बजाय गहराई से समझ पाती है। याददाश्त में सुधार: चित्रों और इंटरैक्टिव गतिविधियों की मदद से वह लंबे समय तक सीखी गई बातों को याद रख पाती है। अधिक रुचि: सुहानी की पढ़ाई में रुचि बढ़ी है और अब वह आत्मविश्वास से.जवाब देने लगी है।

निष्कर्ष - ई-मर्ज क्लास की डिजिटल और विज़ुअल लर्निंग पद्धति ने सुहानी की शिक्षा को प्रभावी बनाया। यह दर्शाता है कि सही शिक्षण तकनीकों के माध्यम से सीखने की कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है और बच्चों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

ई लर्निंग - सीखने की नई तकनीक

ई - मर्ज इम्पैक्ट रिपोर्ट सत्र 2023-24

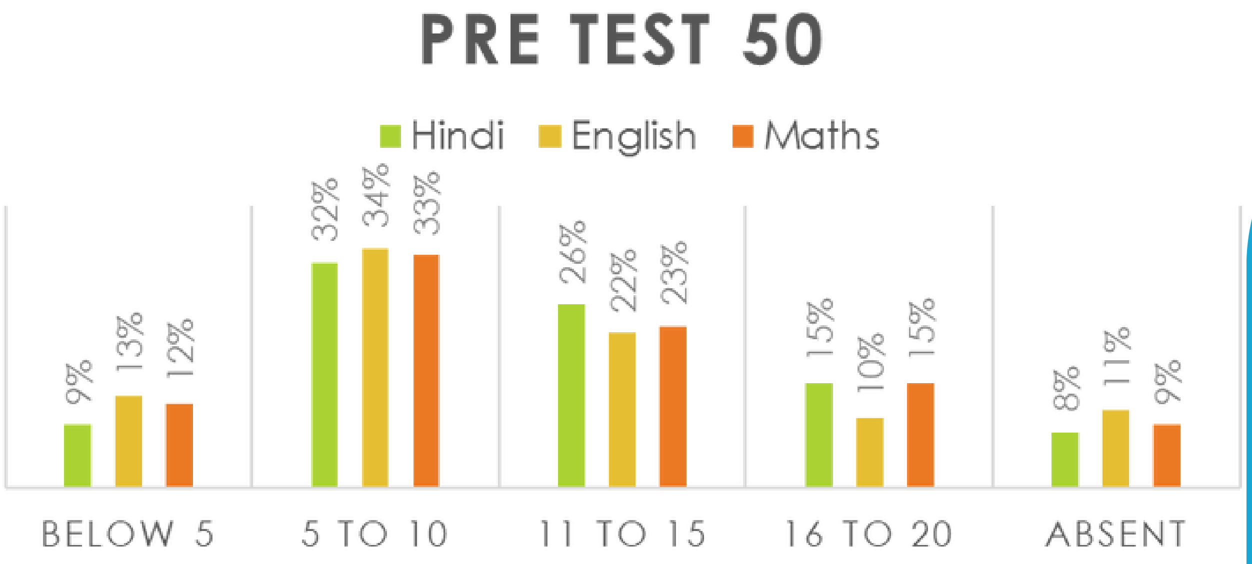

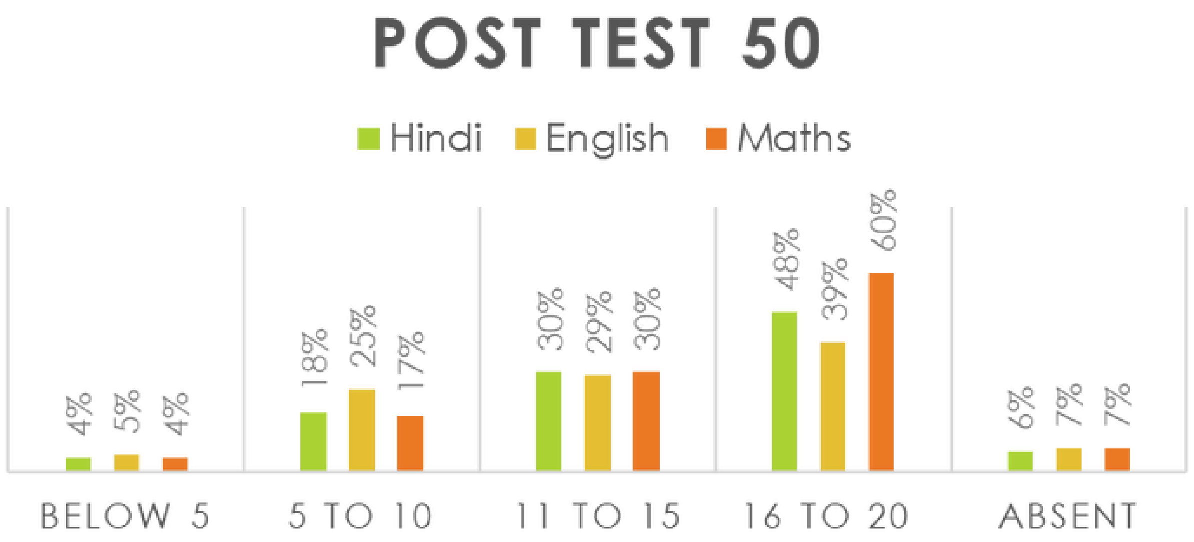

दिए गए चार्ट में, 358 अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को हिंदी में पांच से कम अंक मिले, अंग्रेजी में 516 और गणित में 477 अंक मिले।

5 से 10 अंक पाने वाले छात्र हिंदी में 1271, हिंदी में 1350,

अंग्रेजी में 1311 और गणित में 1311 अंक प्राप्त किए।

11 से 15 अंक पाने वाले विद्यार्थियों में हिंदी में 1032, अंग्रेजी में 874 और गणित में 913 अंक हैं।

हिंदी में 16 से 20 अंक पाने वाले छात्रों की संख्या 595 है।

अंग्रेजी में 397 और गणित में 595 अंक प्राप्त किये।

अनुपस्थित

हिन्दी में 317, अंग्रेजी में 437 तथा गणित में 357 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

भविष्य की योजनाएं

अन्य जिलों को तकनिकी सहायता

जिला विभाग के साथ मिलकर शासन द्वारा संचालित डिजिटल कक्षा को तकनिकी सहायता प्रदान करना |

ई - मर्ज पिटारा

ई - मर्ज पिटारा के रूप में दूरस्थ स्थानों में जहाँ डिजिटल शिक्षा की पहुँच दुर्लभ है वहाँ तक पहुचँ सुनिश्चित करने का प्रयास किया जायेगा |

नए सेंटर्स का संचालन

डिजिटल शिक्षा को और अधिक व्यापक रूप से सभी बच्चों तक पहुचानें का प्रयास किया जाना है जिसके लिए आदर्श बाल ग्राम के अंतर्गत 5 जिलों से 50 गाँव और रायपुर जिले से 30 गाँवों से प्रारम्भ किया जायेगा |

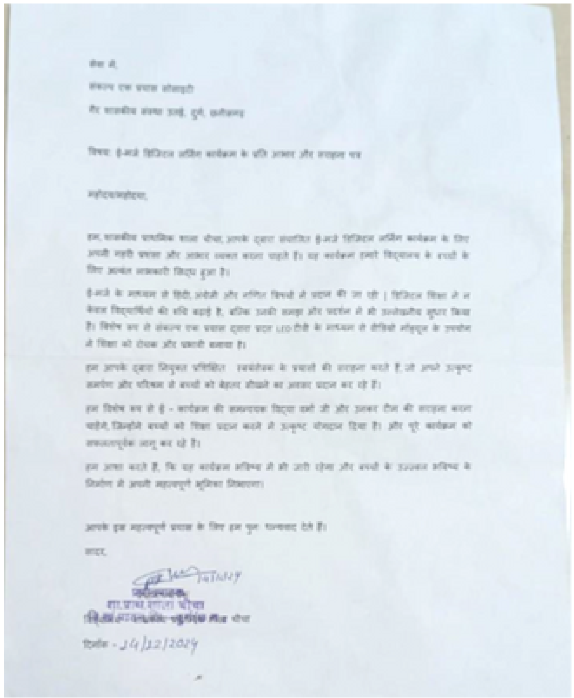

LOCATION

Virat Nagar
Utai, Durg
Chhattisgarh

CONTACT

www.sankalpekprayas.org
sankalpekprayas@gmail.com